यांत्रिक विभाग के अधिकारियों के उद्देश्य, कर्तव्य एवं कार्य

यांत्रिक विभाग यात्री कोचों, माल वैगनों, डेमू और क्रेन सहित रोलिंग स्टॉक के रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। इसके अलावा, यह कार्यशालाओं और अन्य कार्य केंद्रों में बड़ी संख्या में मशीनरी और संयंत्र का रखरखाव करता है। विभाग रोलिंग स्टॉक, मशीनरी और संयंत्र की खरीद के लिए योजनाएं भी बनाता है और ट्रेन संचालन में स्टॉक की सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, विभाग केपर्यावरण एवं गृह व्यवस्था(एनएचएम) विंग के माध्यम से, यह भारतीय रेलवे को टिकाऊ जन परिवहन समाधानों में वैश्विक नेता बनाते हुए हरित पर्यावरण और स्वच्छ ऊर्जा के लिए भी समन्वय करता है।

प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर

प्रमुख मुख्य यांत्रिक अभियंता यांत्रिक विभाग के समग्र प्रभारी हैं। वह विभाग से संबंधित सभी प्रशासनिक और तकनीकी मामलों पर महाप्रबंधक को रिपोर्ट करता है और सलाह देता है। उसके अधिक महत्वपूर्ण कर्तव्यों में रेलवे के रोलिंग स्टॉक और अन्य यांत्रिक उपकरणों का रखरखाव और काफी हद तक रेलवे परिवहन की सुरक्षा और विश्वसनीयता शामिल है। . उसे इस कर्तव्य को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए, उसे विभिन्न 'विभागाध्यक्षों' (एचओडी) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

मुख्य कारखाना इंजीनियर

उत्तर पश्चिम रेलवे में तीन प्रमुख कार्यशालाएँ हैं। 'अजमेर ग्रुप ऑफ वर्कशॉप'-एआईआई, 'कैरिज वर्कशॉप'-जोधपुर और 'कैरिज एंड वैगन वर्कशॉप'-बीकानेर । कार्यशाला के मामलों पर सीधा नियंत्रण "मुख्य कार्यशाला अभियंता" द्वारा किया जाता है जो कार्यशालाओं के लिए विभाग का प्रशासनिक प्रमुख होता है। कार्यशाला में बजटीय नियंत्रण की जिम्मेदारी भी मुख्य कार्यशाला अभियंता की होती है। उन्हें उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर / कार्यशाला द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। सीएमई (कार्यशाला/मुख्यालय)।

मुख्य यांत्रिक अभियंता (योजना)

मुख्य यांत्रिक अभियंता (योजना) वर्क्स, मशीनरी एवं संयंत्र (एमएंडपी) कार्यक्रम के माध्यम से सभी फील्ड इकाइयों को मशीनें और संयंत्र उपलब्ध कराने और प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए रेलवे बोर्ड से उनकी मंजूरी प्राप्त करने के लिए समन्वय अधिकारी हैं।

मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर (कोचिंग)

मुख्य चल स्टॉक इंजीनियर/ कोचिंग (सीआरएसई/कोचिंग) कोचिंग स्टॉक की मरम्मत और रखरखाव के मामलों पर सीधा नियंत्रण रखता है। यहयांत्रिक विभाग से संबंधित नीति निर्माण से संबंधित मामलों में प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के परामर्श से निर्देश जारी करता है। कोचिंग डिपो में बजटीय नियंत्रण की जिम्मेदारी भी सीआरएसई (कोचिंग) की है। उन्हें उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर /रोलिंग स्टॉक द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। सीएमई (आरएस/मुख्यालय)।

मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर (मालगाड़ी एवं ईएनएचएम)

मुख्य चल स्टॉक इंजीनियर/ फ्रेट एंड एनएचएम (सीआरएसई) फ्रेट स्टॉक की मरम्मत और रखरखाव के मामलों पर सीधा नियंत्रण रखता है। वह यांत्रिक विभाग से संबंधित नीति निर्माण से संबंधित मामलों में प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के परामर्श से निर्देश जारी करता है। माल ढुलाई रखरखाव डिपो में बजटीय नियंत्रण की जिम्मेदारियां भी सीआरएसई/फ्रेट एंड एनएचएम (माल ढुलाई और एनएचएम) के पास हैं। वह पर्यावरण से संबंधित सभी मुद्दों के लिए निगरानी और समन्वय कार्य भी करता है। सीआरएसई (माल ढुलाई और ईएनएचएम, एचओडी के रूप में एनजीटी के पर्यावरणीय मामलों, सतत विकास और जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संबंधी कार्यों पर सभी अंतर-विभागीय समन्वय के लिए नोडल अधिकारी हैं। उन्हें उप मुख्य यांत्रिक (आरएस/मुख्यालय) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

<u>मुख्य विद्युत सेवा अभियंता</u>

सीईएसई एआरटी/एआरएमवी सहित कोचिंग स्टॉक के टीएल, एसी और पीओएच के रखरखाव, मरम्मत और रख-रखाव से संबंधित सभी मामलों पर सीधा नियंत्रण रखता है। वह रोलिंग स्टॉक रखरखाव से संबंधित नीति निर्माण से संबंधित मामलों में प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के परामर्श से निर्देश जारी करता है। सभी टीएल और एसी रखरखाव में बजटीय नियंत्रण की जिम्मेदारियां भी सीईएसई के पास हैं। उन्हें उप द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। सीईई (कोचिंग/मुख्यालय)।

<u>मुख्य परियोजना प्रबंधक/रोलिंग स्टॉक</u>

सीपीएम/आरएस के पास विभिन्न प्रभागों से जुड़े जीएसयू द्वारा निष्पादित किए जा रहे यांत्रिक कार्यों की निगरानी की जिम्मेदारी है। वह सीए से मंजूरी के बाद पीएच-41 और पीएच-42 के तहत स्वीकृत यांत्रिक कार्यों की प्रगति की निगरानी करता है। वह बीओ के परामर्श से परिचालन संबंधी बाधाओं की पहचान करने और उनके कार्यान्वयन सहित संभावित समाधान खोजने की जिम्मेदारी भी निभाते हैं। वह उत्तर पश्चिम रेलवे पर आउटसोर्सिंग गतिविधियों के युक्तिकरण और योजना की संभावना की पहचान करने की भी जिम्मेदारी निभाते हैं।

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर /योजना और ईएनएचएम

मुख्यालय में योजना संबंधी कार्य जैसे, योजना शीर्ष 16 (यातायात सुविधाएं), 41 (एम एंड पी), योजना शीर्ष 42 (कार्य कार्यक्रम)), 53 (यात्री सुविधा) और 64 (अन्य निर्दिष्ट कार्य) आदि के कार्यों की देखभाल करना।

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर /कारखाना

मुख्यालय में कार्यशाला विंग से संबंधित कर्तव्य जैसे, आरएसपी कार्य सहित कार्यशालाओं के लिए सामग्री योजना, कार्यशालाओं के सुचारू संचालन के लिए मानव शक्ति और अन्य संबंधित मामले।

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/ रोलिंग स्टॉक

मुख्यालय में सी एंड डब्ल्यू विंग से जुड़े कर्तव्य जैसे रोलिंग स्टॉक के सुचारू और सुरक्षित संचालन के लिए सामग्री, मानव शक्ति योजना और प्रभाग के अन्य संबंधित मामले।
अधिकारी कोचिंग संबंधी कार्यों के लिए सीआरएसई/कोचिंग को और माल ढुलाई संबंधी कार्यों के लिए सीआरएसई/फ्रेट को रिपोर्ट करेगा।

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर /मुख्यालय

मैकेनिकल विभाग के समुचित कामकाज से जुड़े कर्तव्य। मुख्यालय में सभी विभागों, पीएनएम, लेखा परीक्षा, प्रशिक्षण, कैडर, अधिकारियों के स्थानांतरण और पदोन्नति के साथ समन्वय स्थापित करना तथा पीसीएमई के सचिव के रूप में कार्य करना। इसके अतिरिक्त एनएचएम विंग से संबंधित कर्तव्यों के लिए भी जिम्मेदार।
अधिकारी उप सीएमई/मुख्यालय कार्यों के लिए पीसीएमई को तथा ईएनएचएम से संबंधित कार्यों के लिए सीईएनएचएम को रिपोर्ट करेंगे।

उप मुख्य विध्युत अभियंता/कोचिंग

एआरटी/एआरएमवी सहित कोचिंग स्टॉक के टीएल, एसी और पीओएच के रखरखाव, मरम्मत और रखरखाव से संबंधित सभी मामलों पर सीधा नियंत्रण रखता है। वह रोलिंग स्टॉक रखरखाव से संबंधित नीति निर्माण से संबंधित मामलों में प्रिंसिपल चीफ मैकेनिकल इंजीनियर के परामर्श से निर्देश जारी करता है। सभी टीएल और एसी रखरखाव में बजटीय नियंत्रण की जिम्मेदारी भी उप मुख्य अभियंता/कोचिंग के पास है।

सहायक यांत्रिक इंजीनियर /रोलिंग स्टॉक मुख्यालय

वे माल ढुलाई, आपदा और एनएचएम से संबंधित सभी कार्यों तथा सौंपे गए किसी भी अन्य कार्य के लिए सीआरएसई (फ्रेट और एनएचएम)/एनडब्ल्यूआर को सहायता प्रदान करेंगे तथा रिपोर्ट करेंगे।
जूनियर स्केल स्तर के डीजल विंग के स्टोर से संबंधित मामले।